# बंद मिलों का 500 करोड़ माफ

अमर उजाला ब्यूरो

## राज्य वस्त्र निगम, स्टेट स्पिनिंग, स्टेट यार्न और सहकारी कताई मिल्स की जमीनों पर फैसला

## बकाया माफ करने के लिए लाई गई वन टाइम सेटलमेंट योजना

लखनऊ। प्रदेश में बंद मिलों पर जल्द नए उद्योगों की फसल लहलहाएगी। राज्य वस्त्र निगम, स्टेट स्पिनिंग, स्टेट यार्न और सहकारी कताई मिल्स की बंद इकाइयों में फंसी जमीनों को उद्योगों से फिर आबाद किया जाएगा। करीब एक हजार एकड़ जमीन पर बसी इन इकाइयों पर बकाया कर्ज का लगभग 500 करोड़ रुपये माफ कर दिए गए हैं।

कभी टेक्सटाइल की इन चार मिलों में लगभग 20 हजार लोग काम करते थे। अरबों रुपये का उत्पादन था लेकिन धीरे-धीरे बाजार की बदलती मांग और पसंद के कारण ये इकाइयां बंद हो गईं। इन चारों इकाइयों पर लगभग तीन हजार करोड़ रुपये बकाया है। 2023-24 में उप्र सहकारी कताई मिल संघ, उप्र स्टेट यार्न, उप्र स्टेट स्पिनिंग और कताई मिल्स संघ लि. कानपुर की देनदारियों के निस्तारण के लिए 878.18 करोड़, स्टेट स्पिनिंग की रायबरेली, मऊनाथ भंजन और बाराबंकी इकाइयों की देनदारियों के निस्तारण के लिए 194.71 करोड़, स्टेट स्पिनिंग की दी गई अंशपूंजी के सब्सिडी के लिए 93.24 करोड़ और उपरोक्त सभी के बकाया मूलधन के लिए 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। ये कुल रकम 1,666.13 करोड़ रुपये है।

सहकारी कताई मिल्स संघ लि. कानपुर के पास 11 जिलों में लगभग 705 एकड़ जमीन है। आवास विकास विभाग को इन पर कब्जा दिया जा चुका है। उप्र स्टेट स्पिनिंग कंपनी कानपुर की जमीनों पर एमएसएमई औद्योगिक पार्क की स्थापना की जाएगी। इसका शासनादेश जारी हो चुका है। कताई मिल्स पर बकाया 329 करोड़ रुपये को ब्याज सहित माफ करने के अनुमोदन के बाद बेकार जमीन पर एमएसएमई औद्योगिक पार्क विकसित होगा। सरकारी देनदारियों के अलावा 22.14 करोड़ का भुगतान एमएसएमई विभाग करेगा। मऊ में एमएसएमई पार्क की स्थापना यूपीएसआईसी करेगी।

इन मिलों के बकाया माफ करने के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना लाई गई। टैक्सफैड की बंद पड़ी कताई मिलों की जमीनों के औद्योगिक इस्तेमाल के लिए यूपी स्टेट स्पिनिंग मिल पर बकाया करीब 286 करोड़ में से 41 करोड़ का ऋण माफ कर दिया गया। राज्य वस्त्र निगम, स्टेट यार्न कंपनी और सहकारी कताई मिल्स संघ पर बकाया करीब 913 करोड़ में से 444 करोड़ का ही भुगतान करना होगा। ब्यूरो